SCO सम्मेलन: PM मोदी और इमरान के बीच कोई मीटिंग नहीं, दुआ-सलाम भी नहीं हुई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बिश्केक: किर्गिस्तान की राजधानी में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ (SCO) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे पीएम मोदी और पाकिस्तानी पीएम इमरान खान के बीच कोई मीटिंग नहीं हुई. ने सूत्रों के हवाले से बताया कि दोनों नेताओं के बीच दुआ-सलाम तक नहीं हुई.

पाक-भारत संबंध सबसे खराब दौर में: इमरान

इस बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि भारत के साथ उनके देश के संबंध शायद अपने सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं. हालांकि, उन्होंने आशा जताई कि उनके भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी कश्मीर सहित सभी मतभेदों को हल करने के लिए अपने 'प्रचंड जनादेश' का उपयोग करेंगे.

बिश्केक के लिए रवाना होने से पहले रूसी समाचार एजेंसी स्पुतनिक को दिए एक 'इंटरव्यू' में खान ने कहा कि एससीओ सम्मेलन ने उन्हें दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के लिए भारतीय नेतृत्व के साथ बात करने का अवसर दिया है. खान ने कहा कि एससीओ सम्मेलन ने पाकिस्तान को भारत सहित अन्य देशों के साथ अपना संबंध विकसित करने के लिए एक नया मंच दिया है. उन्होंने कहा कि इस वक्त भारत के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंध शायद अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं.

इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान किसी भी तरह की मध्यस्थता के लिए तैयार है और अपने सभी पड़ोसियों, खासतौर पर भारत के साथ शांति की उम्मीद करता है. उन्होंने कहा कि तीन छोटे युद्धों ने दोनों देशों को इस कदर नुकसान पहुंचाया कि वे अभी भी गरीबी के भंवर जाल में फंसे हुए हैं. गौरतलब है कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने पिछले हफ्ते कहा था कि एससीओ सम्मेलन से इतर मोदी और उनके पाकिस्तानी समकक्ष खान के बीच किसी द्विपक्षीय बैठक की योजना नहीं है.

वहीं, खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो बार पत्र लिख कर सभी मुद्दों पर वार्ता बहाल करने की अपील की है.

पीएम मोदी और शी चिनफिंग की मुलाकात

पीएम मोदी ने बृहस्पतिवार को यहां चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अपनी वार्ता के दौरान सीमा पार से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मुद्दे को उठाया और कहा कि भारत वार्ता बहाली के लिए आतंक मुक्त माहौल बनाने के मकसद से पाक द्वारा ठोस कार्रवाई किए जाने की उम्मीद करता है.इमरान खान ने कहा कि मुख्य जोर शांति बहाल करने और वार्ता के जरिए मतभेदों को दूर करने पर होना चाहिए. उन्होंने कहा, ''भारत के साथ हमारा मुख्य मतभेद कश्मीर (मुद्दा) है. और यदि दोनों देश फैसला करते हैं तो यह मुद्दा हल हो सकता है. लेकिन दुर्भाग्य से हमें (इस सिलसिले में) भारत की ओर से ज्यादा सफलता नहीं मिली है.

खान ने कहा, ''लेकिन हम आशा करते हैं कि मौजूदा प्रधानमंत्री (मोदी) के पास प्रचंड जनादेश है, हम आशा करते हैं कि वह बेहतर संबंध विकसित करने और उपमहाद्वीप में शांति कायम करने में इसका उपयोग करेंगे.'' उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि पैसों का इस्तेमाल लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में किया जाना चाहिए. उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए यह बात कही जिसने अपने लाखों लोगों को गरीबी के भंवर जाल से बाहर निकाला है.

खान ने कहा, ''हम आशा करते हैं कि भारत के साथ हमारा तनाव घटेगा, इसलिए हमें हथियार नहीं खरीदना है क्योंकि हम मानव विकास पर धन खर्च करना चाहते हैं. लेकिन हां, हम रूस से हथियार खरीदने पर विचार कर रहे हैं और मैं जानता हूं कि हमारी सेना रूसी सेना के साथ संपर्क में है.'

'उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान रूस के साथ पिछले कुछ बरसों से संयुक्त सैन्य अभ्यास करता आ रहा है. इसके अलावा वह रूस से रक्षा खरीद भी कर रहा है जिसने नयी दिल्ली को कुछ चिंतित किया है.

अमेरिका और ईरान में तनाव और बढ़ा, US का आरोप- ओमान की खाड़ी में तेल टैंकरों पर हमला किया गया

वॉशिंगटन : एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमेरिका ने ओमान की खाड़ी में दो तेल टैंकरों पर हमलों के लिए ईरान को दोषी ठहराया है. इस घटना के बाद अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव और बढ़ गया है. अमेरिका ने पिछले महीने इस रणनीतिक समुद्री इलाके में ऐसे ही हमलों को लेकर इस्लामिक गणराज्य की तरफ उंगली उठाई थी.

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने विदेश मंत्रालय के फॉगी बॉटम मुख्यालय में गुरुवार को कहा, ''यह अमेरिका सरकार का आकलन है कि ओमान की खाड़ी में आज हुए हमलों के लिए ईरान जिम्मेदार है.'' उन्होंने कहा कि उनका आकलन खुफिया जानकारी, इस्तेमाल किए गए हथियारों, अभियान को अंजाम देने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता के स्तर, पोत पर ईरान के इसी प्रकार के हालिया हमलों और इस तथ्य पर आधारित है कि इलाके में काम कर रहे किसी अन्य छद्म समूह के पास इस स्तर का हमला करने के लिए संसाधन और दक्षता नहीं है.

पोम्पिओ ने कहा कि ईरान को कूटनीति का जवाब आतंकवाद, रक्तपात, बल प्रयोग से नहीं, बल्कि कूटनीति से देना चाहिए. उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने बलों एवं हितों की रक्षा करेगा और वैश्विक वाणिज्य एवं क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अपने सहयोगियों के साथ खड़ा रहेगा.

पोम्पिओ ने कहा कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत जोनाथन कोहेन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में ईरान के हमलों का मामला उठाने का निर्देश दिया है.

बाद में, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्वीट किया, ''मैं (जापान के प्रधानमंत्री शिंजो) आबे के ईरान जाकर अयातुल्ला अली खामेनी से मिलने की सराहना करता हूं, लेकिन मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि कोई समझौता करने के बारे में सोचना जल्दबाजी होगा.

वे तैयार नहीं हैं और न ही हम तैयार हैं.'' इसके बाद अमेरिका के अनुरोध पर इन संदिग्ध हमलों पर चर्चा के लिये संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बंद कमरे में बैठक हुई. कोहेन ने कहा, ''ये हमले स्पष्ट रूप से बताते हैं कि ईरान अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए खतरा है.'' उन्होंने कहा, ''मैं उम्मीद करता हूं कि हमारे बीच इसे लेकर और बातचीत होगी.''

नरेंद्र मोदी से बोले शी जिनपिंग: एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं है भारत और चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग/बिश्केक: चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में एससीओ सम्मेलन से इतर हुई बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि भारत और चीन एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं हैं.साथ ही उन्होंने दोनों देशों के बीच करीबी विकास साझेदारी को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों में शामिल होने की चीन की इच्छा जताई. लोकसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ जीत के बाद दोबारा प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी की यह पहली मुलाकात है. चीन के विदेश मंत्रालय ने बीजिंग में जारी एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति शी ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि भारत और चीन को मतभेदों से सही तरीके से निपटते हुए सहयोग बढ़ाना चाहिए. साथ ही उन्होंने सीमा पर स्थिरता बनाए रखने के लिए विश्वास बहाली के कदम उठाने की

बात भी कही.

'चीन और भारत एक-दूसरे को विकास का अवसर देते हैं' शी ने कहा, 'दोनों देशों के बीच करीबी विकास साझेदारी को बढ़ाने के लिए चीन लगातार भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है.' सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बयान के हवाले से खबर दी है, उन्होंने दोनों देशों से इस मूल सिद्धांत पर अमल करने को कहा कि 'चीन और भारत एक-दूसरे को विकास का अवसर देते हैं, और एक-दूसरे के लिए कोई खतरा नहीं हैं.'

शी ने यह रेखांकित किया कि पूरी दुनिया में चीन और भारत ही ऐसी दो उभरती अर्थव्यवस्था हैं जिनकी आबादी एक अरब से ज्यादा है. दोनों देशों के बीच मतभेद के पुराने कारण, सीमा विवाद पर शी ने कहा, 'हमें सीमा विवाद और अन्य तंत्रों के संबंध में विशेष प्रतिनिधियों की बैठकों का लाभ उठाना होगा, विश्वास बहाली के कदम उठाने होंगे और सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिरता बनाए रखनी होगी.'

शिष्टाचार में ZERO इमरान खान, राष्ट्राध्यक्षों के स्वागत में खड़े थे सभी, लेकिन वे बैठे रहे और...

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बिश्केक (किर्गिस्तान) : किर्गिस्तान की राजधानी में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ (SCO) शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने राजनयिक प्रोटोकॉल तोड़ दिया. मौका था सम्मेलन के उद्घाटन समारोह का. पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो में इस दौरान खान को समारोह में बैठे देखा गया, जबकि बाकी सभी देशों के प्रमुखों के हॉल में प्रवेश करने के दौरान लोग उनके स्वागत के लिए खड़े थे.

उद्घाटन समारोह के दौरान सभी देशों के प्रमुख एक-एक कर हॉल में प्रवेश कर रहे थे. इस दौरान वहां मौजूद सभी लोग खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत कर रहे थे. हालांकि इस दौरान केवल इमरान खान ही अकेले ऐसे शख्स थे, जो कुर्सी पर बैठे थे. हालांकि उन्हें थोड़ी देर बाद यह समझ में आ गया कि पूरे समारोह में अकेले वह ही हैं, जो वहां बैठे हुए हैं और बाकी सभी खड़े हुए हैं. इसके तुरंत बाद वह खड़े हुए, लेकिन फिर बैठ गए.

इससे पहले खान ने इस महीने की शुरुआत में सऊदी अरब में आयोजित 14वें ओआईसी शिखर सम्मेलन में भी उन्होंने राजनयिक प्रोटोकॉल तोड़ा था. सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज के साथ शिखर बैठक के दौरान इमरान खान ने किंग के दुभाषिये से बात की थी और यह संदेश का सऊदी किंग को अनुवादित किए जाने से पहले ही वह वहां से चले गए थे.

इस वीडियो को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था और खान की आलोचना की गई थी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित खान और एससीओ सदस्य देशों के नेता किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं.